(ख) १९५४ के पूरे साल और १९५५ की पहली छमाही में जो खाने वाले अन्न तथा खाने की अन्य चीजें उगाई गईं उन की मात्रा नीचे दी गई है :—

फसल	१९५४	१९५५ की पहिली छमाही
अन्न	टन	टन
गेहूं	३५५.१४	२६४.०६
धान	१९१.०३	४६.२५
मक्का	१७.७	२.१
मिले जुले अन्न	४८३.५४	२७९.७६
खाने की अन्य चीजें		
फल	१२९.६५	४०.८८
सब्जी	३९२८.०४	९७७.००
मिली जुली चीजें (जानवरों के चारे को मिला कर)	३२१३.५८	४७६.७

Opium Smuggling

500. Shri D . C. Sharma: Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) the number of cases of smuggling of opium detected during 1955 so far; and

(b) the action taken generally in such cases?

The Minister of Revenue and Defence Expenditure (Shri A. C. Guha): (a) 1,997 cases of opium smuggling have been detected during 1055 (up to the 17th November 1955).

(b) The offenders are prosecuted in a Court of Law under the relevant provisions of the Opium Act, 1878 and/or the Dangerous Durgs Act, 1930.

केन्द्रीय कल्याण बोर्ड

५०१. श्री विभूति मिश्र : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रथम पंच वर्षीय योजना के अन्तर्गत ३० सितम्बर, १९५५ तक सरकार ने केन्द्रीय कल्याण बोर्ड को कितनी राशि दी ;

(ख) बोर्ड ने प्रत्येक राज्य पर कितनी राशि खर्च की ;

(ग) क्या बोर्ड राज्य को जन संख्या के आधार पर अथवा उस के पिछड़ेपन के आधार पर राशि व्यय करता है ;

(घ) क्या विभिन्न राज्यों पर खर्च करने के लिये कोई सिद्धान्त निकाले गय हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो वे क्या हैं और उन्हें किस प्रकार कार्यान्वित किया जाता है ?

शिक्षा मंत्री के सभा सचिव (डा० एम० एम० दास) : (क) १,१८,५२,१२३, रु० ।

(ख) मांगी गई जानकारी का एक विवरण संलग्न है **[देखिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध सं० २७]**.

(ग) नहीं, जी ; परन्तु राज्य की जन संख्या और पिछड़ेपन का ध्यान रखा जाता है ।

(घ) तथा (ङ) नहीं जी, परन्तु प्रथम पंच वर्षीय योजना की अवधि में बोर्ड ने देश के प्रत्येक जिले में एक कल्याण प्रसार प्रायोजन स्थापित करने का निर्णय किया है । सामाज कल्याण संस्थाओं को गुणों के आधार पर अनुदान दिये जाते हैं और प्रत्येक संस्था को अधिक से अधिक १५,००० रु० का अनुदान मिलता है ।

ईंटें

५०२. श्री विभूति मिश्र : क्या प्राकृतिक संसाधन और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कोई ऐसी वैज्ञानिक नीति का पता लगाया है जिस से कि ईंटें पकाने में कम कोयले का उपयोग हो ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ?

प्राकृतिक संसाधन मंत्री (श्री के० डी० मालवीय) : (क) तथा (ख) आवश्यक जानकारी विवरण-पत्र के रूप में साथ ही प्रस्तुत की जाती है **[देखिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध सं० २८.]**